

लाला हरजसराय स्मृति ग्रन्थ (फोल्डर नं. ०२०१५)
सम्पादक - डॉ. सागरमल जैन

मुख्य टाइटल

प्रकाशकीय

विषयानुक्रमणिका

बायोग्राफी

यशनिर्लिप्त जैनविद्या के निष्काम सेवक - सागरमल जैन, उमेशचन्द्र सिंह -----	१
सन्निष्ठ कार्यकर्ता लाला श्री हरजसरायजी - दलसुखभाई मालवणिया -----	९
बाबू हरजसराय जी-एक प्रामाणिक व्यक्तित्व - गुलाबचन्द्र जैन -----	११
श्री हरजसराय जैन-एक समर्पित व्यक्तित्व - हरीशचन्द्र जैन -----	१२
Lala Harjas Rai-Life and Ideals - S. L. Khanna-----	13
Harjas Rai Jain-A Man of Cleaner Public Life - G. R. Sethi-----	17
English Section	
Jaina Tradition of Tirthankaras - Vilas A Sangave -----	19
Contemporary Relevance of Triratna Ideal of Jainism - L K L Sristava-----	25
Jainas Concept of Substance - N K Singh-----	30
Jaina Theory of Paroksa Jnana - Goura Hajra -----	36
The Philosophical Foundation of Religious Tolerance in Jainism - Sagarmal Jain-----	43
Religion of Man - Jagdish Sahai-----	57
हिन्दी विभाग	
विशेषावश्यकभाष्य के पाठान्तरों, उत्कीर्ण प्राचीन अभिलेखों.... - के. आर. चन्द्र -----	६५
जैन आगमों में निहित गणितीय अध्ययन के विषय - अनुपम जैन, सुरेशचन्द्र अग्रवाल -----	७५
जैनधर्म में नैतिक और धार्मिक कर्तव्यता का स्वरूप - सागरमल जैन-----	८९
अप्रकाशित प्राकृत शतकत्रय-एक परिचय - प्रेम सुमन जैन -----	९३
पाण्डव पुराण में राजनैतिक स्थिति - रीता बिश्रोई -----	९९
जैन निर्वाण-परम्परा और परिवृत्त - ईश्वर दयाल-----	१०७
व्यावहारिक जीवन में नाम, रूप, स्थापना और प्रतीक - विश्वनाथ पाठक -----	११६
दशरूपक और नाट्यदर्पण में रस स्वरूप एवं निष्पत्ति-एक तुलनात्मक विवेचन - काजी अञ्जुम सैफी -----	१२३
खजुराहो का पार्श्वनाथ मन्दिर-ब्राह्मण एवं जैन धर्मों के समन्वय का मुर्तरूप - मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी -----	१४४